International Yoga Day, Healthy Ageing and Public Participation

The 12th International Yoga Day will be celebrated in India, in the State of Rajasthan on 21st June with the theme "Yoga for Healthy Ageing". The State Government has planned to organise a Public Participation Programme from morning 06 am to 08 am in all districts, all blocks, all gram panchayats, all educational institutions (both government and private) and Ayushman Arogya Mandirs. Chief Secretary V. Srinivas presided over a meeting at the Secretariat to review the implementation and instructed the departments and district collectors to ensure coordinated implementation. The event seeks to enhance the popularity of yoga as a means of preventive healthcare, physical fitness, mental health and healthy ageing.

Some of the highlights of the event were the following:

- On 21st June, the 12th International Yoga Day is celebrated.
- The theme is "Yoga for Healthy Ageing".
- Events will be held between 6am and 8am.
- Programmes will be conducted at district, block and gram panchayat level.
- It will involve government and private schools, colleges, medical colleges and nursing colleges.
- Yoga classes are also organized in Police stations, prisons and Ayushman Arogya Mandirs.

RASo

- Yoga Day events will also be organised in the major tourism centres and at the UNESCO World Heritage Sites of Rajasthan.

Yoga Sangam Portal Registration

The Chief Secretary told all the departments to register to the Yoga Sangam portal in full force. After the event, the number of participants and their photos will be made available. This will aid to good monitoring, documentation and assessment of public participation.

Importance for Rajasthan

The event is of special interest to the state of Rajasthan as it's linked to public health, community involvement, tourism and culture. Conducting yoga sessions at tourist spots and UNESCO World Heritage Sites can help to strengthen the reputation of Rajasthan as a hub of wellness, heritage and cultural tourism. It also represents the function of district administration in the implementation of mass awareness programme.

Administrative Directions

The Chief Secretary has issued instructions to the district collectors and other departments involved to designate the nodal officers to coordinate. Given that NEET test is also being held on the same day, it was requested that any precautions necessary to ensuring that both the test and Yoga Day events take place in a safe and effective manner be taken.

RAS Exam Relevance

The news is important for RAS Prelims, Mains exam under public health, AYUSH, preventive healthcare, governance, district administration, public participation and tourism promotion and Rajasthan current affairs. It also demonstrates how the coordination of multi-departmental programmes between the district collectors and educational institutions/ local bodies is carried out in the state level administration.

Conclusion

The 12th International Yoga Day at Rajasthan will emphasize on healthy ageing, preventive healthcare and community engagement. The State Government is focusing on making the programme inclusive, visible and well-coordinated by organising Yoga events in educational institutions, Ayushman Arogya Mandirs, Prisons, Police Station, Tourism Centres and UNESCO World Heritage Sites.

MCQ

MCQ 1: Which is the theme for the 12th International Yoga Day at Rajasthan?

A. Yoga for Peace and Harmony
B. Yoga for Healthy Ageing

RASonly

C. Yoga for Climate Action
D. Yoga for Digital Health

The answer is B: Yoga for Healthy Ageing.

Explanation: The 12th International Yoga Day will take place on 21st June with the theme "Yoga for Healthy Ageing". The theme emphasizes the importance of yoga for enhancing the physical fitness, mental health, and preventive health, particularly for the elderly population.

MCQ 2: Which portal has been stated for registering with regard to the event of Yoga Day?

A. Nirbheek Bharat Portal

B. Yoga Sangam Portal

C. Jan Aadhaar Portal

D. Raj Health Portal

Answer : B Yoga Sangam Portal

Explanation : Departments and district officials were instructed by the Chief Secretary to register the maximum number of persons on the Yoga Sangam portal. The yoga programme and the number of participants and photographs are also to be uploaded after yoga, for monitoring and documentation.

MCQ 3: Why is it important for the state of Rajasthan when Yoga Day is celebrated in UNESCO World Heritage Sites?

A. It is replacing the conventional tourism program with programs focusing solely upon health.

B. It helps to connect the wellness, heritage and tourism in Rajasthan.

C. It is meant only for foreign tourists

D. It is only open to school level participation.

Answer: B. It helps in the integration of wellness, heritage and tourism with each other in the favour of Rajasthan.

Explanation: Yoga day is a great initiative to organize at the major tourist attractions and UNESCO World Heritage Sites, which can further boost the image of Rajasthan as a well-being, culture and heritage tourism hub. It also expands the public involvement and enhances the visibility of the event.

RASonly

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, स्वस्थ वृद्धावस्था और जन भागीदारी

भारत के राजस्थान राज्य में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को "स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग" विषय पर मनाया जाएगा। राज्य सरकार ने सभी जिलों, सभी ब्लॉकों, सभी ग्राम पंचायतों, सभी राजकीय और निजी शिक्षण संस्थानों तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सुबह 6 बजे से 8 बजे तक जन भागीदारी कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में आयोजन की समीक्षा के लिए बैठक की और विभागों तथा जिला कलेक्टरों को समन्वित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस आयोजन का उद्देश्य योग को निवारक स्वास्थ्य देखभाल, शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थ वृद्धावस्था के साधन के रूप में लोकप्रिय बनाना है।

आयोजन की प्रमुख विशेषताएं

- 21 जून को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा।
- इसका विषय "स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग" है।
- कार्यक्रम सुबह 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित होंगे।
- कार्यक्रम जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किए जाएंगे।
- राजकीय और निजी विद्यालय, महाविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय और नर्सिंग महाविद्यालय इसमें भाग लेंगे।
- योग सत्र पुलिस थानों, कारागृहों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी आयोजित किए जाएंगे।
- राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलों और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर भी योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

योग संगम पोर्टल पर पंजीकरण

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को योग संगम पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। आयोजन के बाद प्रतिभागियों की संख्या और उनके फोटो अपलोड किए जाएंगे। इससे जन भागीदारी की बेहतर निगरानी, दस्तावेजीकरण और मूल्यांकन में सहायता मिलेगी।

राजस्थान के लिए महत्व

यह आयोजन राजस्थान के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह जन स्वास्थ्य, सामुदायिक भागीदारी, पर्यटन और संस्कृति से जुड़ा हुआ है। पर्यटन स्थलों और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर योग सत्र आयोजित करने से राजस्थान की छवि स्वास्थ्य, धरोहर और सांस्कृतिक पर्यटन के केंद्र के रूप में मजबूत हो सकती है। यह बड़े जन-जागरूकता कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में जिला प्रशासन की भूमिका को भी दर्शाता है।

प्रशासनिक निर्देश

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों और संबंधित विभागों को समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। चूंकि उसी दिन नीट परीक्षा भी आयोजित हो रही है, इसलिए कलेक्टरों को आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए कहा गया, ताकि परीक्षा और योग दिवस कार्यक्रम दोनों सुरक्षित और प्रभावी ढंग से संपन्न हो सकें।

RASonly

आरएएस परीक्षा के लिए प्रासंगिकता

यह समाचार आरएएस प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए जन स्वास्थ्य, आयुष, निवारक स्वास्थ्य देखभाल, शासन, जिला प्रशासन, जन भागीदारी, पर्यटन संवर्धन और राजस्थान समसामयिकी जैसे विषयों के अंतर्गत महत्वपूर्ण है। यह भी दर्शाता है कि राज्य स्तर का प्रशासन जिला कलेक्टरों, शिक्षण संस्थानों और स्थानीय निकायों के साथ मिलकर बहु-विभागीय कार्यक्रमों का समन्वय कैसे करता है।

निष्कर्ष

राजस्थान में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ वृद्धावस्था, निवारक स्वास्थ्य देखभाल और सामुदायिक भागीदारी पर बल देगा। राज्य सरकार शिक्षण संस्थानों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, कारागृहों, पुलिस थानों, पर्यटन स्थलों और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर योग कार्यक्रम आयोजित करके इस आयोजन को समावेशी, प्रभावी और सुव्यवस्थित बनाने पर ध्यान दे रही है।

प्रश्न 1: राजस्थान में आयोजित होने वाले 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय क्या है?

(a) शांति और सद्भाव के लिए योग

(b) स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग

(c) जलवायु कार्यवाही के लिए योग

(d) डिजिटल स्वास्थ्य के लिए योग

उत्तर: (b) स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग

व्याख्या: 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को “स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग” विषय पर आयोजित किया जाएगा। यह विषय विशेष रूप से बुजुर्ग आबादी के लिए शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक स्वास्थ्य और निवारक स्वास्थ्य देखभाल में योग के महत्व को रेखांकित करता है।

प्रश्न 2: योग दिवस कार्यक्रम से संबंधित पंजीकरण के लिए किस पोर्टल का उल्लेख किया गया है?

(a) आयुष्मान भारत पोर्टल

(b) योग संगम पोर्टल

(c) जन आधार पोर्टल

(d) राज स्वास्थ्य पोर्टल

उत्तर: (b) योग संगम पोर्टल

व्याख्या: मुख्य सचिव ने विभागों और जिला अधिकारियों को योग संगम पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। योग कार्यक्रम के बाद प्रतिभागियों की संख्या और फोटो भी निगरानी तथा दस्तावेजीकरण के लिए अपलोड किए जाएंगे।

प्रश्न 3: राजस्थान में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर योग दिवस का आयोजन महत्वपूर्ण क्यों है?

(a) यह पारंपरिक पर्यटन गतिविधियों को केवल स्वास्थ्य कार्यक्रमों से बदल देता है

(b) यह राजस्थान में स्वास्थ्य, धरोहर और पर्यटन को आपस में जोड़ने में सहायता करता है

RASonly

(c) यह केवल विदेशी पर्यटकों के लिए है

(d) यह केवल विद्यालय स्तर की भागीदारी तक सीमित है

उत्तर: (b) यह राजस्थान में स्वास्थ्य, धरोहर और पर्यटन को आपस में जोड़ने में सहायता करता है

व्याख्या: प्रमुख पर्यटन स्थलों और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर योग दिवस आयोजित करने से राजस्थान की छवि स्वास्थ्य, संस्कृति और धरोहर पर्यटन के केंद्र के रूप में मजबूत हो सकती है। इससे जन भागीदारी बढ़ती है और आयोजन को व्यापक दृश्यता भी मिलती है।

RASonly

Group Captain Animesh Patni Conferred Vir Chakra for Operation Sindoor

The President of India, Droupadi Murmu, at Rashtrapati Bhavan, has awarded Group Captain Animesh Patni of the Indian Air Force with the Vir Chakra. He is from Kunhadi village in Baran district of Rajasthan. The award is for his outstanding valour, leadership and strategy in Operation Sindoor. He commanded an S-400 surface-to-air missile system squadron and contributed immensely to the enhancement of India's air defence capability. Under his command, an enemy Airborne Early Warning and Control aircraft was targeted from a distance of about 314 kilometres, which is considered one of the longest surface-to-air engagements.

RASonly

Key Highlights

- **Group Captain Animesh Patni is from Kunhadi village in Baran district of Rajasthan.**
- He was awarded Vir Chakra for his contribution in Operation Sindoor.
- The award was presented by Rashtrapati Droupadi Murmu at Rashtrapati Bhavan.
    - Commanded S-400 surface to air missile system squadron.
- He led the airborne early warning and control aircraft in targeting an enemy aircraft around 314 kilometres.
- He has a wealth of military flying experience and has been flying aircraft like MiG-29.

About Vir Chakra

Vir Chakra is one of the special awards conferred upon in situations of war in India. Awarded for gallantry in the presence of the enemy on land, sea or air. Vir Chakra is a significant

award in the field of defence honours, national security and current affairs for any competitive exam.

S-400 Air Defence System has become the most important.

S-400 is a modern air defence surface-to-air missile system of long-range action. It helps in detecting, tracking and targeting enemy aircraft, missiles and other aerial threats. Such systems are crucial in modern warfare as air defence is a significant aspect for the defense of strategic locations, military bases, and the national security assets.

Significance for Rajasthan

This feat has special significance for the state of Rajasthan as Group Captain Animesh Patni hails from Baran district. His achievements are a testament to Rajasthan's role in India's defence and military service. It can also motivate youngsters of the State to enlist in defence services for the country's security.

RAS Exam Relevance

This is an important news item for RAs Prelims and Mains which can be used under the defence current affairs, gallantry awards, Indian Air Force, national security, Rajasthan personalities and Operation Sindoor section. It can also be helpful in topics such as courage, leadership, strategic decision making and preparedness of Indian defence.

Conclusion

Confidence, technology, and command have been the hallmarks of modern air defence operations, highlighted by Group Captain Animesh Patni's Vir Chakra award. The role played in Operation Sindoor underscores the need for more sophisticated missile technology, well-trained fighter pilots, and leadership in ensuring the security of India's airspace.

MCQs

MCQ 1: What operation were Group Captain Animesh Patni awarded the Vir Chakra for?

A. Operation Vijay

B. Operation Sindoor

C. Operation Meghdoot

D. Operation Cactus

Answer : B. Operation Sindoor.

RASonly

Explanation : The Vir Chakra was awarded to Group Captain Animesh Patni for his superb gallantry, leadership and strategy in Operation Sindoor. His role was linked with leading an S-400 surface-to-air missile system squadron.

MCQ 2 : Which district in Rajasthan is Group Captain Animesh Patni from?

A. Baran

B. Kota

C. Jhalawar

D. Bundi

Answer: A. Baran

Explanation: Kunhadi village, Baran district, Rajasthan is the home of Group Captain Animesh Patni. His success is remarkable as he has brought pride to the entire Rajasthan state, as the State contributes to the defence service of India.

MCQ 3: Which air defence system squadron was led by Group Captain Animesh Patni during Operation Sindoor?

A. Akash missile system

B .Prithvi missile system.

C. S-400 surface-to-air missile system

D. BrahMos cruise missile system

Answer : A. SAM-780 guidance system

Explanation :Group Captain Animesh Patni was a squadron commander of the S-400 surface-to-air missile system. Under his command, an enemy Airborne Early Warning and Control aircraft was engaged from some 314 kilometres, highlighting the crucial importance of long-range air defence capability.

RASonly

ऑपरेशन सिंदूर के लिए ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को वीर चक्र से सम्मानित किया गया

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को वीर चक्र से सम्मानित किया। वे राजस्थान के बारां जिले के कुन्हाड़ी गांव से संबंधित हैं। यह सम्मान उन्हें ऑपरेशन सिंदूर में असाधारण वीरता, नेतृत्व और रणनीतिक कौशल के लिए दिया गया। उन्होंने एस-400 सतह से वायु मारक मिसाइल प्रणाली की स्क्वाड्रन का नेतृत्व किया और भारत की वायु रक्षा क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके नेतृत्व में लगभग 314 किलोमीटर की दूरी से शत्रु के

वायुजनित प्रारंभिक चेतावनी एवं नियंत्रण विमान को निशाना बनाया गया, जिसे सतह से वायु में की गई सबसे लंबी कार्रवाइयों में से एक माना जाता है।

प्रमुख बिंदु

ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी राजस्थान के बारां जिले के कुन्हाड़ी गांव से संबंधित हैं।

उन्हें ऑपरेशन सिंदूर में योगदान के लिए वीर चक्र से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा राष्ट्रपति भवन में प्रदान किया गया।

उन्होंने एस-400 सतह से वायु मारक मिसाइल प्रणाली की स्क्वाड्रन का नेतृत्व किया।

उनके नेतृत्व में लगभग 314 किलोमीटर की दूरी से शत्रु के वायुजनित प्रारंभिक चेतावनी एवं नियंत्रण विमान को निशाना बनाया गया।

वे अनुभवी सैन्य पायलट हैं और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं।

वीर चक्र के बारे में

वीर चक्र भारत का एक महत्वपूर्ण युद्धकालीन वीरता पुरस्कार है। यह पुरस्कार शत्रु की उपस्थिति में थल, जल या वायु क्षेत्र में दिखाई गई बहादुरी के लिए दिया जाता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वीर चक्र जैसे पुरस्कार रक्षा सम्मान, राष्ट्रीय सुरक्षा और समसामयिकी के अंतर्गत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

एस-400 वायु रक्षा प्रणाली का महत्व

एस-400 लंबी दूरी की आधुनिक सतह से वायु मारक मिसाइल प्रणाली है। यह शत्रु के विमानों, मिसाइलों और अन्य हवाई खतरों का पता लगाने, उनका पीछा करने और उन्हें निशाना बनाने में सहायता करती है। आधुनिक युद्ध में ऐसी प्रणालियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वायु रक्षा रणनीतिक स्थानों, सैन्य ठिकानों और राष्ट्रीय सुरक्षा परिसंपत्तियों की रक्षा में बड़ी भूमिका निभाती है।

राजस्थान के लिए महत्व

यह उपलब्धि राजस्थान के लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी बारां जिले से संबंधित हैं। उनकी उपलब्धि भारत की रक्षा सेवाओं में राजस्थान के योगदान को दर्शाती है। यह राज्य के युवाओं को रक्षा सेवाओं में शामिल होकर देश की सुरक्षा में योगदान देने के लिए प्रेरित कर सकती है।

आरएएस परीक्षा के लिए प्रासंगिकता

यह समाचार आरएएस प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए रक्षा समसामयिकी, वीरता पुरस्कार, भारतीय वायुसेना, राष्ट्रीय सुरक्षा, राजस्थान की प्रमुख व्यक्तित्व और ऑपरेशन सिंदूर जैसे विषयों के अंतर्गत महत्वपूर्ण है। यह साहस, नेतृत्व, रणनीतिक निर्णय-निर्माण और भारत की रक्षा तैयारी जैसे विषयों में भी उपयोगी हो सकता है।

RASonly

निष्कर्ष

ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को मिला वीर चक्र आधुनिक वायु रक्षा अभियानों में साहस, तकनीकी दक्षता और नेतृत्व का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका यह स्पष्ट करती है कि भारत के वायुक्षेत्र की सुरक्षा के लिए उन्नत मिसाइल तकनीक, प्रशिक्षित पायलट और मजबूत नेतृत्व अत्यंत आवश्यक हैं।

ठीक है, आगे से विकल्प A, B, C, D में ही रखे जाएंगे।

प्रश्न 1: ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को किस ऑपरेशन में भूमिका के लिए वीर चक्र से सम्मानित किया गया?

A. ऑपरेशन विजय
B. ऑपरेशन सिंदूर
C. ऑपरेशन मेघदूत
D. ऑपरेशन कैक्टस

उत्तर: B. ऑपरेशन सिंदूर

व्याख्या: ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को ऑपरेशन सिंदूर में असाधारण वीरता, नेतृत्व और रणनीतिक कौशल के लिए वीर चक्र से सम्मानित किया गया। उनकी भूमिका एस-400 सतह से वायु मारक मिसाइल प्रणाली की स्क्वाड्रन के नेतृत्व से जुड़ी थी।

प्रश्न 2: ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी राजस्थान के किस जिले से संबंधित हैं?

A. बारां
B. कोटा
C. झालावाड़
D. बूंदी

उत्तर: A. बारां

व्याख्या: ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी राजस्थान के बारां जिले के कुन्हाड़ी गांव से संबंधित हैं। उनकी उपलब्धि राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण है, क्योंकि यह भारत की रक्षा सेवाओं में राज्य के योगदान को दर्शाती है।

प्रश्न 3: ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी ने किस वायु रक्षा प्रणाली की स्क्वाड्रन का नेतृत्व किया?

A. आकाश मिसाइल प्रणाली
B. पृथ्वी मिसाइल प्रणाली
C. एस-400 सतह से वायु मारक मिसाइल प्रणाली
D. ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल प्रणाली

उत्तर: C. एस-400 सतह से वायु मारक मिसाइल प्रणाली

व्याख्या: ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी ने एस-400 सतह से वायु मारक मिसाइल प्रणाली की स्क्वाड्रन का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में शत्रु के वायुजनित प्रारंभिक चेतावनी एवं नियंत्रण विमान को लगभग 314 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया, जो लंबी दूरी की वायु रक्षा क्षमता के महत्व को दर्शाता है।

RASonly

RASonly

Jaipur’s Devanshi Sharma Wins Gold at First World Yogasana Championship

Devanshi Sharma from Jaipur has won the gold medal at the first World Yogasana Championship held in Ahmedabad. She did this in the traditional women's category of the older age group. Her win has made Rajasthan and the country proud. Devanshi is currently a Plat. Comm. with Rajasthan Police. She used to be involved with wrestling but after some time, she turned her focus towards yoga. Inspired by the first speech of International Yoga Day given by the PM Narendra Modi in 2014, she applied to become a yoga instructor. This is a tribute to her discipline, dedication and the rising stature of yogasana as a competitive sport.

Key Highlights

- Devanshi Sharma is from Jaipur, Rajasthan.
- She is the first Indian to win the gold medal in first-ever World Yogasana Championship in Ahmedabad.
- She participated in the traditional Women's Senior Age category.
- She is presently working as Platoon Commander in Rajasthan Police.
- She was earlier associated with wrestling and later shifted towards yoga.
- In 2014 she was inspired by the message on the International Yoga Day.
- She played for the International team representing India.
- She has also won 4 gold medals in the yogasana competitions at Police and National levels recently.

RASonly

About World Yogasana Championship

This is the World Yogasana Championship, which is a platform for the yogi athletes of the world. It assists in making yogasana popular among the people as a practice for health and as a competitive sport as well. In this championship, the participants practice yogasana in balance, flexibility, discipline and technical perfection. Devanshi Sharma's gold medal in the traditional category showcases India's expertise in the field of Yoga related sports and the rising acceptance of the Yoga asana discipline at the international arena.

Devanshi Sharma's Journey

Devanshi Sharma's sports career is inspiring as she has shifted from wrestling to yoga and became a successful yogasana athlete. Her choice and accomplishments are evidence of how hard work and consistent effort can lead a sportsperson to international fame. She has also attributed her success to her gurus, family and primarily her husband. An unusual aspect of her story is that she couldn't see her 15-month-old son for nearly two months because of training camp.

Role of Rajasthan Police

Devanshi Sharma has got a job in Rajasthan Police through the Sports Quota. Rajasthan Police was in her side and helped her to take a step forward in her sporting career. She was provided a platform to represent India in international level by the Yogasana Sports Federation of India. Her success is the proof of the value of institutional support in the development of sportspersons.

Significance for Rajasthan

The feat is important for Rajasthan as it has garnered national and international attention for the State for the first time by Devanshi Sharma. Her achievements represent the role of women players in the field of sports in Rajasthan. This also indicates that yogasana is becoming a significant competitive sport. She can motivate young girls and sportspersons from Rajasthan to inspire them about sports with confidence and discipline.

RAS Exam Relevance

The news covers topics like Rajasthan current affairs, sports achievement, women empowerment, Yoga, Public service, Rajasthan Police and International competitions which are important for the Prelims and Mains exam of RAS. It can also be used for topics related to the role of sports quota, institutional support and women in uniformed services and India's soft power through yoga.

Conclusion

Devanshi Sharma's gold medal in the first World Yogasana Championship is a huge achievement for the State of Rajasthan and India. Her transformation from a wrestler to

RASonly

yoga, and her success in the Rajasthan Police and internationally exemplifies the importance of discipline, determination and institutional support. Her success also reinforces the notion of yoga as a traditional Indian art and sport.

MCQ

MCQ 1: Devanshi Sharma has won gold in which championship?

A. National Yoga Championship

B. First World Yogasana Championship

C. Asian Wrestling Championship

D. International Police Sports Championship

Answer: B. First World Yogasana Championship

Explanation : Devanshi Sharma has won the first World Yogasana Championship in Ahmedabad. She competed in the senior age Individual women's traditional category and made the state of Rajasthan and the country proud of her.

MCQ 2: Devanshi Sharma is working as the COO of which of the following organisations?

A. Indian Army

B. Rajasthan Police

C. Indian Railways

D. Central Reserve Police Force

Answer: B. Rajasthan Police.

Explanation : Devanshi Sharma is currently working as a Platoon Commander in Rajasthan Police. Her success is also linked with the encouragement she got from the sports quota and institutional encouragement by the Rajasthan Police.

MCQ 3: Devanshi Sharma won the gold medal in which category?

A. Junior team artistic category
B. Senior-age individual women’s traditional category
C. Mixed doubles yogasana category
D. National police wrestling category

Answer : B. Senior-age individual women's traditional category.

Explanation: At the first World Yogasana Championship, Devanshi Sharma has won the gold medal in the senior age individual women's traditional category. In this category, technical accuracy, flexibility, balance and discipline in the performance of yogasana was required.

RASonly

जयपुर की देवांशी शर्मा ने प्रथम विश्व योगासन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता

जयपुर की देवांशी शर्मा ने अहमदाबाद में आयोजित प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने यह उपलब्धि वरिष्ठ आयु वर्ग की व्यक्तिगत महिला पारंपरिक श्रेणी में प्राप्त की। उनकी जीत ने राजस्थान और भारत दोनों को गौरवान्वित किया है। देवांशी वर्तमान में राजस्थान पुलिस में प्लाटून कमांडर के पद पर कार्यरत हैं। वे पहले कुश्ती से जुड़ी हुई थीं, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने योग की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संदेश से प्रेरित होकर उन्होंने योग प्रशिक्षक के पद के लिए आवेदन किया। उनकी यह यात्रा अनुशासन, समर्पण और योगासन को एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मिल रही बढ़ती पहचान को दर्शाती है।

प्रमुख बिंदु

देवांशी शर्मा जयपुर, राजस्थान से संबंधित हैं।

उन्होंने अहमदाबाद में आयोजित प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

उन्होंने वरिष्ठ आयु वर्ग की व्यक्तिगत महिला पारंपरिक श्रेणी में भाग लिया।

वे वर्तमान में राजस्थान पुलिस में प्लाटून कमांडर के पद पर कार्यरत हैं।

वे पहले कुश्ती से जुड़ी हुई थीं और बाद में योग की ओर मुड़ीं।

2014 में वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संदेश से प्रेरित हुईं।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया।

उन्होंने हाल ही में पुलिस और राष्ट्रीय स्तर की योगासन प्रतियोगिताओं में 4 स्वर्ण पदक भी जीते हैं।

विश्व योगासन चैंपियनशिप के बारे में

विश्व योगासन चैंपियनशिप योगासन खिलाड़ियों को वैश्विक मंच प्रदान करती है। यह योगासन को केवल स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में ही नहीं, बल्कि एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में भी लोकप्रिय बनाने में सहायता करती है। इस चैंपियनशिप में प्रतिभागी संतुलन, लचीलापन, अनुशासन और तकनीकी शुद्धता के साथ योगासन प्रस्तुत करते हैं। पारंपरिक श्रेणी में देवांशी शर्मा का स्वर्ण पदक योग से जुड़े खेलों में भारत की क्षमता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योगासन की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है।

देवांशी शर्मा की यात्रा

देवांशी शर्मा की खेल यात्रा प्रेरणादायक है, क्योंकि उन्होंने कुश्ती से योग की ओर रुख किया और सफल योगासन खिलाड़ी बनीं। उनका चयन और उपलब्धियां यह दिखाती हैं कि कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास से कोई भी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुओं, परिवार और विशेष रूप से अपने पति को दिया है। उनकी कहानी का एक भावनात्मक पक्ष यह भी है कि प्रशिक्षण शिविर के कारण वे लगभग दो महीने तक अपने 15-month-old बेटे से नहीं मिल सकीं।

RASonly

राजस्थान पुलिस की भूमिका

देवांशी शर्मा को खेल कोटे के माध्यम से राजस्थान पुलिस में नौकरी मिली। राजस्थान पुलिस ने उनके खेल करियर में सहयोग किया और उन्हें आगे बढ़ने में मदद दी। योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रयासों से उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। उनकी सफलता खिलाड़ियों के विकास में संस्थागत सहयोग के महत्व को स्पष्ट करती है।

राजस्थान के लिए महत्व

यह उपलब्धि राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि देवांशी शर्मा ने राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। उनकी उपलब्धि राजस्थान की महिला खिलाड़ियों की भूमिका को दर्शाती है। यह भी संकेत देती है कि योगासन एक महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में उभर रहा है। उनकी यात्रा राजस्थान की युवा लड़कियों और खिलाड़ियों को आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकती है।

आरएएस परीक्षा के लिए प्रासंगिकता

यह समाचार आरएएस प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए राजस्थान समसामयिकी, खेल उपलब्धियां, महिला सशक्तिकरण, योग, सार्वजनिक सेवा, राजस्थान पुलिस और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे विषयों के अंतर्गत महत्वपूर्ण है। इसे खेल कोटे की भूमिका, संस्थागत सहयोग, वर्दीधारी सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी और योग के माध्यम से भारत की सॉफ्ट पावर जैसे विषयों में भी उपयोग किया जा सकता है।

निष्कर्ष

प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप में देवांशी शर्मा का स्वर्ण पदक राजस्थान और भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। कुश्ती से योग तक की उनकी यात्रा, राजस्थान पुलिस में उनकी भूमिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी सफलता अनुशासन, दृढ़ संकल्प और संस्थागत सहयोग के महत्व को दर्शाती है। उनकी उपलब्धि योग को पारंपरिक भारतीय अभ्यास के साथ-साथ आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में भी मजबूत पहचान देती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

MCQ 1: देवांशी शर्मा ने किस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता?

A. राष्ट्रीय योग चैंपियनशिप
B. प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप
C. एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप
D. अंतरराष्ट्रीय पुलिस खेल चैंपियनशिप

उत्तर: B. प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप

व्याख्या: देवांशी शर्मा ने अहमदाबाद में आयोजित प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने वरिष्ठ आयु वर्ग की व्यक्तिगत महिला पारंपरिक श्रेणी में भाग लिया और अपनी उपलब्धि से राजस्थान तथा भारत को गौरवान्वित किया।

MCQ 2: देवांशी शर्मा वर्तमान में किस संगठन में कार्यरत हैं?

RASonly

A. भारतीय सेना
B. राजस्थान पुलिस
C. भारतीय रेलवे
D. केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

उत्तर: B. राजस्थान पुलिस

व्याख्या: देवांशी शर्मा वर्तमान में राजस्थान पुलिस में प्लाटून कमांडर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी सफलता खेल कोटे और राजस्थान पुलिस से मिले संस्थागत प्रोत्साहन से भी जुड़ी हुई है।

MCQ 3: देवांशी शर्मा ने किस श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता?

A. जूनियर टीम आर्टिस्टिक श्रेणी
B. वरिष्ठ आयु वर्ग की व्यक्तिगत महिला पारंपरिक श्रेणी
C. मिक्स्ड डबल्स योगासन श्रेणी
D. राष्ट्रीय पुलिस कुश्ती प्रतियोगिता

उत्तर: B. वरिष्ठ आयु वर्ग की व्यक्तिगत महिला पारंपरिक श्रेणी

व्याख्या: देवांशी शर्मा ने प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप में वरिष्ठ आयु वर्ग की व्यक्तिगत महिला पारंपरिक श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। इस श्रेणी में योगासन प्रदर्शन के दौरान तकनीकी शुद्धता, लचीलापन, संतुलन और अनुशासन की आवश्यकता होती है।

RASonly